



MILITARY HISTORY (375)

CHAPTERWISE NOTES



MILITARY HISTORY

Sl. No.	Module	Chapters (Public Examination)	Marks
1	Module 3 : Military History of the Colonial Era	L-11: Revolt of 1857 and Reforms in the Indian Army L-12: Indian Army in World War I & II	15
2	Module 4: Armed Forces Today	L-13: Indian Army L-14: Indian Navy L-15: The Indian Air Force	25

Component	Details
Public Exam (Selected Modules 1,2,5)	Total Chapters : 4
Practical Exam	NA
TMA	Tutor Marked Assignment
Final Possible Marks	

विषय सूची

1	1857 का विद्रोह तथा भारतीय सेना मे सुधार
2	विश्वयुद्ध (प्रथम व द्वितीय) मे भारतीय सैनिक की भूमिका
3	भारतीय सेना
4	भारतीय नौसेना
5	भारतीय वायु सेना

1

1857 का विद्रोह तथा भारतीय सेना में सुधार

परिचय :

भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान भारतीयों द्वारा कई प्रतिरोध किए गए। अंग्रेजों ने अपनी चालाकी और बेहतर हथियारों के बल पर इन विद्रोहों को दबाया। सैन्य इतिहास के छात्र के रूप में इन विद्रोहों और उनके कारण आए सैन्य सुधारों को समझना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि ये विद्रोह हमारे अधिकारों और स्वतंत्रता की लड़ाई का आधार बने।

मद्रास नेटिव इन्फैंट्री द्वारा वेल्लोर विद्रोह (1806)

- इसे भारत में अंग्रेजों के खिलाफ पहला विद्रोह माना जाता है।
- कारण: ब्रिटिश सरकार द्वारा ड्रेस कोड (वेशभूषा) में किया गया परिवर्तन।
- मुसलमानों को दाढ़ी मूंडने और हिंदुओं को माथे पर तिलक लगाने से मना किया गया।
- सैनिकों को यूरोपीय टोपी पहनने के लिए मजबूर किया गया, जिससे उन्हें लगा कि उनका धर्म परिवर्तन किया जा रहा है।
- परिणाम: विद्रोहियों ने वेल्लोर किले पर कब्जा कर लिया और 150 से अधिक ब्रिटिश सैनिकों को मार गिराया।

स्वतंत्रता का पहला युद्ध (1857)

- यह घटना 1857 में कई वर्षों से संचित हो रहे असंतोष का परिणाम थी।
- सेना में लगभग 3,00,000 भारतीय सिपाही और केवल 50,000 ब्रिटिश सैनिक थे।

विद्रोह के प्रमुख कारक :

- सेना में केवल उच्च जाति के ब्राह्मणों और राजपूतों की भर्ती जिससे आपसी मतभेद बढ़े।
- ब्रिटिश सरकार द्वारा **सती प्रथा** के उन्मूलन से धर्म परिवर्तन का डर।
- पदोन्नति (Promotions) में देरी और विदेश सेवा से भारतीयों को बाहर रखना।
- तात्कालिक कारण: नई एनफील्ड राइफल के **कारतूसों** में गाय और सुअर की चर्बी होने की अफवाह, जिसे दांतों से काटना पड़ता था।



मंगल पांडे की भूमिका :

- वह 34वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री के सिपाही थे।
- उन्होंने 29 मार्च 1857 को ब्रिटिश अधिकारी लेफ्टिनेंट बॉघ पर हमला किया।
- 8 अप्रैल 1857 को उन्हें फांसी दे दी गई, जिससे देशव्यापी विद्रोह भड़क उठा।
- विद्रोह के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन समाप्त हुआ और महारानी's विक्टोरिया का प्रत्यक्ष शासन स्थापित हुआ।

TOP 5 QUESTION

Q1. 1857 के विद्रोह के प्राथमिक कारण क्या थे?

उत्तर -

1. **तात्कालिक कारण:** एनफील्ड राइफलों में चर्बी वाले कारतूसों (गाय और सुअर की चर्बी) का उपयोग।
2. **आर्थिक कारक:** भारतीय और ब्रिटिश सैनिकों के बीच वेतन का भारी अंतर।
3. **पेशेवर शिकायतें:** योग्यता के बावजूद भारतीय सैनिकों के लिए पदोन्नति का अभाव।
4. **सामान्य सेवा भर्ती अधिनियम:** जबरन विदेश सेवा जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं।

Q2. Who was Mangal Pandey and what was his role in the revolt?

Q2. मंगल पांडे कौन थे और विद्रोह में उनकी क्या भूमिका थी?

उत्तर - मंगल पांडे 34वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री में एक सिपाही थे। चर्बी वाले कारतूसों से नाराज होकर, उन्होंने 29 मार्च 1857 को एक ब्रिटिश अधिकारी पर हमला किया। उन्हें 8 अप्रैल 1857 को फांसी दे दी गई, जिससे पूरे देश में विद्रोह भड़क उठा।

Q3. विद्रोह के बाद किए गए सैन्य सुधारों की व्याख्या करें।

उत्तर -

1. **बांटो और राज करो:** एकता को रोकने के लिए जाति और समुदाय के आधार पर रेजिमेंट का आयोजन किया गया।
2. **तोपखाने पर नियंत्रण:** भविष्य के विद्रोहों से बचने के लिए भारी तोपों को पूरी तरह से ब्रिटिश सैनिकों के नियंत्रण में रखा गया।
3. **अधिकारी तालमेल:** सिपाहियों के साथ बेहतर संवाद करने के लिए ब्रिटिश अधिकारियों को भारतीय भाषाएं सीखना अनिवार्य किया गया।



Q4. "भारत के लोगों का मैग्रा कार्टा" क्या था?

उत्तर - 1 नवंबर 1858 को महारानी विक्टोरिया द्वारा जारी की गई शाही उद्घोषणा को मैग्रा कार्टा कहा गया। इसने ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन को समाप्त कर दिया और ब्रिटिश क्राउन का प्रत्यक्ष शासन स्थापित किया।

Q5. 1857 के बाद पैदल सेना (Infantry) के पुनर्गठन का वर्णन करें।

उत्तर - एक बटालियन में 600 सिपाही होते थे जिसमें सूबेदार, जमादार और हवलदार जैसी रैंक संरचना थी। शुरुआत में सभी वरिष्ठ अधिकारी ब्रिटिश थे, लेकिन बाद में के.एम. करियप्पा जैसे भारतीय अधिकारियों (KCOs) को नियुक्त किया गया।



2

विश्वयुद्ध (प्रथम व द्वितीय) में भारतीय सैनिक की भूमिका

परिचय :

ब्रिटिश शासन के अधीन भारतीय सैनिकों ने दोनों विश्व युद्धों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के बाद भारतीय सिपाहियों को एक 'नियमित सेना' के रूप में संगठित किया गया था। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान उन्हें पहली बार आधुनिक युद्ध का वास्तविक अनुभव मिला और उन्होंने विदेशी धरती पर कठिन परिस्थितियों व भीषण ठंड का बहादुरी से सामना किया। भारतीय सैनिकों के अनुशासन और वीरता ने उन्हें वैश्विक स्तर पर सम्मान दिलाया, जिससे यह समझना आवश्यक है कि मित्र देशों की जीत में हमारे सैनिकों का क्या योगदान रहा।

प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) :

यह युद्ध 28 जुलाई 1914 से 11 नवंबर 1918 तक चला, जिसे 'महान युद्ध' भी कहा जाता है।

दो गुट :

- **केंद्रीय शक्तियाँ :** जर्मनी, ऑस्ट्रिया-हंगरी, बुल्गारिया और ओटोमन साम्राज्य।
- **मित्र देश :** ग्रेट ब्रिटेन, फ्रांस, रूस, इटली, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका।
- **भारतीय योगदान :** भारतीय सेना को यूरोप, अफ्रीका, मध्य पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया में तैनात किया गया।
- **प्रमुख जीत:** कोहिमा और इम्फाल की लड़ाइयों में भारतीयों ने जापानी सेना को आगे बढ़ने से रोका, जिसे आधुनिक इतिहास की सबसे भयंकर लड़ाइयों में गिना जाता है।
- **पुरस्कार:** द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीयों को कुल 28 विक्टोरिया क्रॉस मिले।

युद्ध के कारण :

- **तात्कालिक कारण :** बोस्निया के साराजेवो में ऑस्ट्रियाई साम्राज्य के उत्तराधिकारी आर्कड्यूक फ्रांज फर्डिनेंड की 28 जून 1914 को हत्या।
- अन्य कारणों में जर्मनी की महत्वाकांक्षा, देशों के बीच गुप्त संधियाँ और अंतरराष्ट्रीय संगठन का अभाव शामिल था।

प्रथम विश्व युद्ध की प्रमुख लड़ाइयाँ :

- **यप्रे, बेल्जियम :** भारतीय सैनिकों ने यहाँ जर्मनों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और इतिहास के पहले 'गैस हमले' का सामना किया।
- **न्यूवे चैपल :** मार्च 1915 की इस लड़ाई में भारतीय सैनिकों ने जर्मन खाइयों पर कब्जा किया।
- **गालीपोली प्रायद्वीप :** यहाँ भारतीय सिख सैनिकों और चिकित्सा सेवाओं ने अदम्य साहस दिखाया।



- **मेसोपोटामिया** : यह मुख्य रूप से एक भारतीय अभियान था जहाँ फालो, बसरा और बगदाद जैसे क्षेत्रों में जीत हासिल की गई।
- **मिस्र और फिलिस्तीन** : 23 सितंबर 1918 को मैसूर और जोधपुर लांसर्स ने हाइफा शहर को पुनः प्राप्त करने के लिए प्रसिद्ध घुड़सवार कार्रवाई की।

TOP 5 QUESTION

Q1. प्रथम विश्व युद्ध में भारत के योगदान पर चर्चा करें।

उत्तर -

1. 13 लाख से अधिक भारतीय सैनिकों ने सेवा के लिए स्वयंसेवा की।
2. उन्होंने फ्रांस, बेल्जियम, मिस्र और मेसोपोटामिया के अभियानों में लड़ाई लड़ी।
3. भारत ने युद्ध लागत के लिए 146.2 मिलियन पाउंड का योगदान दिया और लाखों कारतूस और कपड़ों की आपूर्ति की।

Q2. विक्टोरिया क्रॉस क्या है और प्रथम विश्व युद्ध में कितने भारतीयों ने इसे जीता?

उत्तर - विक्टोरिया क्रॉस VC युद्ध में दिखाए गए असाधारण साहस के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च पदक है। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान 11 भारतीय सैनिकों को VC से सम्मानित किया गया था।

Q3. हाइफा की लड़ाई के महत्व को समझाएं।

उत्तर - 23 सितंबर 1918 को, 15वीं इंपीरियल सर्विस ब्रिगेड (मैसूर और जोधपुर लांसर्स) ने प्रथम विश्व युद्ध की सबसे प्रसिद्ध घुड़सवार कार्रवाई में से एक में फिलिस्तीन के हाइफा शहर पर कब्जा कर लिया।

Q4. द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीय सेना की क्या भूमिका थी?

उत्तर - भारतीय सैनिकों ने दो मुख्य मोर्चों पर लड़ाई लड़ी: पश्चिमी (यूरोप और अफ्रीका) और पूर्वी (दक्षिण-पूर्व एशिया)। वे बर्मा (कोहिमा और इम्फाल) में जापानी सेना और अफ्रीका और इटली में धुरी शक्तियों को हराने में महत्वपूर्ण थे।

Q5. 1945 में भारतीय वायु सेना को 'रॉयल' उपसर्ग क्यों मिला?

उत्तर - किंग जॉर्ज VI ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान IAF की विशिष्ट सेवाओं की मान्यता में 1945 में 'रॉयल' उपसर्ग प्रदान किया। 1950 में यह फिर से 'भारतीय वायु सेना' बन गया।



3

भारतीय सेना

परिचय :

भारतीय सेना का विकास सदियों की प्रक्रिया का परिणाम है, जो प्राचीन काल से लेकर मुगल और ब्रिटिश काल तक के अनुभवों पर आधारित है। आधुनिक तकनीक, विमानों और बख्तरबंद वाहनों के आविष्कार ने युद्ध लड़ने के तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। आज की भारतीय सेना विश्व की तीसरी सबसे बड़ी और सबसे शक्तिशाली सेनाओं में से एक मानी जाती है, जिसका मुख्य उद्देश्य देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना है।

भारतीय सशस्त्र बलों का ऐतिहासिक परिवर्तन :

भारतीय सेना का परिवर्तन मुख्य रूप से चार चरणों में हुआ है:

- **ब्रिटिश शासन के दौरान:** ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारतीयों पर अविश्वास के बावजूद "नेटिव" सेना बनाई, जिसका नेतृत्व ब्रिटिश अधिकारी करते थे।
- **स्वतंत्रता के बाद :** 1948 के भारत-पाक संघर्ष के कारण संरचनात्मक परिवर्तनों में व्यवधान आया, लेकिन सुधार धीरे-धीरे जारी रहे।
- **1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद पुनर्गठन :** इस युद्ध ने एक मजबूत सेना की आवश्यकता को रेखांकित किया, जिससे रक्षा व्यय में वृद्धि हुई।
- **1975 की के.वी. कृष्णा राव रिपोर्ट के बाद सुधार :** इसका मुख्य उद्देश्य सेना का आधुनिकीकरण करना था।

प्रमुख ऐतिहासिक पद :

- **VCO (वायसराय कमीशन अधिकारी):** वे भारतीय जो अपनी नेतृत्व क्षमता के कारण वायसराय द्वारा अधिकारी नियुक्त किए गए।
- **KCO (किंग्स कमीशन अधिकारी):** वे भारतीय जिन्हें इंग्लैंड के सैंडहर्स्ट में प्रशिक्षण के बाद कमीशन दिया गया।

IMPORTANT QUESTIONS

Q1. भारतीय सेना की प्राथमिक और द्वितीयक भूमिकाएं क्या हैं?

उत्तर - प्राथमिक भूमिका: राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करना, संप्रभुता की रक्षा करना और आक्रमणकारियों के खिलाफ क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखना। **द्वितीयक भूमिका -** बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान नागरिक अधिकारियों की सहायता करना और मानवीय सहायता प्रदान करना।



Q2. भारतीय सेना के सात कमानों की सूची बनाएं।

उत्तर: उत्तरी, पूर्वी, मध्य, पश्चिमी, दक्षिण-पश्चिम, दक्षिणी और सेना प्रशिक्षण कमान (ARTRAC)।

Q3. सबसे छोटी से लेकर सबसे बड़ी फील्ड फॉर्मेशन के पदानुक्रम की व्याख्या करें।

उत्तर –

1. सेक्शन सबसे छोटी इकाई होती है, जिसमें लगभग 10 सैनिक होते हैं।
2. प्लाटून 3-4 सेक्शन से मिलकर बनती है, जिसमें लगभग 30-36 सैनिक होते हैं।
3. कंपनी 3-4 प्लाटून से मिलकर बनती है, जिसमें लगभग 100-150 सैनिक होते हैं।
4. बटालियन 4-6 कंपनियों से मिलकर बनती है, जिसमें लगभग 600-800 सैनिक होते हैं।
5. ब्रिगेड 3-4 बटालियन से मिलकर बनती है।
6. डिवीजन 3-4 ब्रिगेड से मिलकर बनता है।
7. कोर 2-3 डिवीजन से मिलकर बनता है।
8. कमान सबसे बड़ी इकाई होती है, जिसमें कई कोर शामिल होते हैं।

Q4. 'लड़ाकू अंग' (Fighting Arms) और 'सहायक अंग' (Supporting Arms) में क्या अंतर है?

उत्तर – लड़ाकू अंग सेना के वे भाग होते हैं जो सीधे युद्ध में दुश्मन से लड़ते हैं। इनका मुख्य कार्य दुश्मन पर हमला करना और उसे हराना होता है, जैसे इन्फैंट्री, आर्मर्ड कोर और आर्टिलरी। **सहायक अंग** वे होते हैं जो लड़ाकू अंगों की मदद करते हैं। ये सीधे युद्ध नहीं लड़ते बल्कि संचार, इंजीनियरिंग, चिकित्सा और रसद जैसी सेवाएं प्रदान करते हैं, जिससे सेना का काम सुचारु रूप से चलता है।

Q5. भारतीय सेना द्वारा उपयोग किए जाने वाले कुछ महत्वपूर्ण हथियार प्रणालियों का उल्लेख करें।

उत्तर – भारतीय सेना युद्ध के लिए विभिन्न प्रकार की हथियार प्रणालियों का उपयोग करती है।

1. **इन्फैंट्री** : इंसास राइफलें, स्नाइपर राइफलें।
2. **आर्मर** : T-90 भीष्म, अर्जुन टैंक।
3. **आर्टिलरी** : बोफोर्स तोपें।
4. **मिसाइलें** : अग्नि (ICBM), ब्रह्मोस (कूज) और पृथ्वी (बैलिस्टिक)।



4

भारतीय नौसेना

परिचय :

भारतीय नौसेना भारतीय सशस्त्र बलों की समुद्री शाखा है, जो देश की समुद्री सीमाओं की रक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करती है। यह न केवल भारतीय जलक्षेत्र को सुरक्षित रखती है बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय जहाजों की रक्षा भी करती है। भारत की समुद्री विरासत हजारों साल पुरानी है, जिसकी शुरुआत 3000 ईसा पूर्व में सिंधु घाटी सभ्यता के समय से मानी जाती है। यह वर्तमान में कर्मियों और नौसैनिक जहाजों की संख्या के मामले में दुनिया की सबसे बड़ी नौसेनाओं में से एक है।

भारतीय नौसेना का उद्भव और विकास :

- **ऐतिहासिक जड़ें:** आधुनिक नौसेना का इतिहास 1612 से शुरू होता है, जब कैप्टन बेस्ट ने पुर्तगालियों को पराजित किया था।
- **ब्रिटिश शासन :** 1830 में इसे 'Her Majesty's Indian Navy' और बाद में 'रॉयल इंडियन नेवी' (RIN) कहा गया।
- **प्रथम भारतीय अधिकारी :** सब लेफ्टिनेंट डी.एन. मुखर्जी कमीशन प्राप्त करने वाले पहले भारतीय थे।
- **स्वतंत्रता के बाद :** 1947 में विभाजन के समय जहाजों और कर्मियों को भारत और पाकिस्तान के बीच विभाजित किया गया।
- **प्रथम भारतीय प्रमुख :** वाइस एडमिरल राम दास कटारी (1958) स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय नौसेना प्रमुख बने।
- **ऑपरेशन ट्राइडेंट (1971) :** 4 दिसंबर 1971 को कराची बंदरगाह पर ऐतिहासिक हमला किया गया, जिसकी याद में हर साल 'नौसेना दिवस' मनाया जाता है।

IMPORTANT QUESTIONS

Q1. भारतीय नौसेना की चार मुख्य भूमिकाएं क्या हैं?

उत्तर -

1. **सैन्य :** दुश्मन सेना के खिलाफ समुद्री शक्ति का प्रयोग।
2. **राजनयिक :** बंदरगाह यात्राओं के माध्यम से विदेशी देशों के साथ मित्रता बनाना।
3. **पुलिसिंग (Constabulary) :** समुद्र में कानूनों को लागू करना और समुद्री डकैती/तस्करी से लड़ना।
4. **मानवीय (Benign) :** मानवीय सहायता और खोज एवं बचाव अभियान।



Q2. 1971 के भारत-पाक युद्ध में नौसेना के प्रदर्शन और महत्व पर चर्चा करें।

उत्तर - 1971 में, नौसेना ने पश्चिम और पूर्व पाकिस्तान की पूर्ण नौसैनिक नाकाबंदी कर दी थी। 4 दिसंबर को ऑपरेशन ट्राइडेंट चलाया गया, जो कराची बंदरगाह पर एक विनाशकारी हमला था जिसमें दुश्मन के कई जहाज डूब गए थे। इस जीत की याद में 4 दिसंबर को नौसेना दिवस के रूप में मनाया जाता है।

Q3. भारतीय नौसेना के तीन परिचालन कमांडों के नाम बताएं।

उत्तर -

1. पश्चिमी नौसेना कमान (मुंबई)।
2. पूर्वी नौसेना कमान (विशाखापत्तनम)।
3. दक्षिणी नौसेना कमान (कोच्चि)।

Q4. पाठ में वर्णित भारत की प्राचीन समुद्री विरासत का वर्णन कीजिए।

उत्तर - भारत का समुद्री इतिहास 3000 ईसा पूर्व का है जब सिंधु घाटी सभ्यता मेसोपोटामिया के साथ व्यापार करती थी। इसके प्रमाणों में लोथल में मिला गोदी (tidal dock) और कौटिल्य के अर्थशास्त्र में 'नवाध्यक्षा' (जहाजों के अधीक्षक) का उल्लेख शामिल है। बाद में, चोल, मराठा और ज़मोरिनों ने शक्तिशाली नौसैनिक बेड़े बनाए रखे।

Q5. आधुनिक भारतीय नौसैनिक बेड़े के प्रमुख घटक और उपकरण।

उत्तर - आधुनिक भारतीय नौसेना के बेड़े के चार मुख्य भाग होते हैं। इसमें पनडुब्बियाँ (परमाणु और पारंपरिक) शामिल हैं, जो पानी के अंदर काम करती हैं। सतह के जहाज जैसे विमान वाहक, डेस्ट्रॉयर, फ्रिगेट और कार्वेट समुद्र की सतह पर युद्ध के लिए उपयोग होते हैं। वायु शाखा में MiG-29K जेट और कामोव-31 तथा ध्रुव हेलीकॉप्टर शामिल हैं, जो हवाई सहायता देते हैं। इसके अलावा, ब्रह्मोस, क्लब और धनुष जैसी मिसाइलें दुश्मन पर हमला करने के लिए उपयोग होती हैं।



5

भारतीय वायु सेना

परिचय :

भारतीय वायु सेना (IAF) भारतीय सशस्त्र बलों की हवाई शाखा है, जो देश के हवाई क्षेत्र को सुरक्षित रखने और युद्ध के दौरान हवाई हमले संचालित करने के लिए उत्तरदायी है। इसकी स्थापना 8 अक्टूबर 1932 को ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा रॉयल एयर फोर्स के एक सहायक के रूप में की गई थी। 1950 में भारत के गणतंत्र बनने पर इसके नाम से 'रॉयल' शब्द हटा दिया गया। आज यह एक आधुनिक और बहु-भूमिका निभाने वाली सक्षम शक्ति है, जिसकी पहुँच दुनिया के किसी भी हिस्से तक है।

भूमिका और उत्तरदायित्व :

भूमिका :

- **आदर्श वाक्य (Motto) :** 'नभःस्पृशं दीप्तम्' (गर्व के साथ आकाश को छूना)।
- **प्राथमिक उद्देश्य :** थल सेना और नौसेना के समन्वय में हवाई खतरों के विरुद्ध राष्ट्र और उसके हवाई क्षेत्र की रक्षा करना।
- **द्वितीयक उद्देश्य :** प्राकृतिक आपदाओं और आंतरिक गड़बड़ी के दौरान नागरिक शक्ति की सहायता करना।

उत्तरदायित्व :

 युद्ध के मैदान में थल सेना को निकट हवाई सहायता देना।

- रणनीतिक और सामरिक एयरलिफ्ट क्षमताएं प्रदान करना।
- अस्थिरता के समय विदेशों से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालना।
- नागरिक अधिकारियों को आपदा राहत (बाढ़, चक्रवात, भूकंप) प्रदान करना।

IMPORTANT QUESTIONS

Q1. भारतीय वायु सेना के मिशन और प्राथमिक उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

उत्तर -

1. **हवाई क्षेत्र की रक्षा :** सेना और नौसेना के समन्वय में हवाई खतरों के खिलाफ देश और उसके हवाई क्षेत्र की रक्षा करना।
2. **कॉम्बैट सपोर्ट :** युद्ध के मैदान में सैनिकों को क्लोज एयर सपोर्ट और रणनीतिक एयरलिफ्ट क्षमताएं प्रदान करना।
3. **शांति काल में सहायता :** बाढ़, चक्रवात या भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान नागरिक अधिकारियों की सहायता करना।



4. निकासी (Evacuation) : अस्थिरता के दौरान विदेशों से भारतीय नागरिकों को बचाना।

Q2. IAF की संगठनात्मक संरचना और कमांड की व्याख्या करें।

उत्तर - भारतीय वायु सेना (IAF) को पाँच परिचालन और दो कार्यात्मक कमांड में विभाजित किया गया है, जिनका नेतृत्व एक एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ करता है। **परिचालन कमांड**— पश्चिमी (नई दिल्ली), पूर्वी (शिलांग), मध्य (इलाहाबाद), दक्षिणी (तिरुवनंतपुरम) और दक्षिण पश्चिमी (गांधीनगर) हैं। **कार्यात्मक कमांड** – प्रशिक्षण कमांड (बेंगलुरु) और रखरखाव कमांड (नागपुर) में हैं।

Q3. 'एकीकृत अंतरिक्ष सेल' क्या है और यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर - यह थल सेना, नौसेना, वायु सेना, इसरो और अंतरिक्ष विभाग द्वारा संयुक्त रूप से संचालित एक सेल है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सैन्य उद्देश्यों के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और उपग्रहों का उपयोग करता है, जैसे दुश्मन की गतिविधियों की निगरानी और युद्धों के दौरान सुरक्षित संचार।

Q4. आज IAF द्वारा उपयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के विमानों को वर्गीकृत करें।

उत्तर -

1. **लड़ाकू :** सु-30 MKI, मिराज-2000, मिग-29 और राफेल जैसे उच्च गति वाले लड़ाकू जेट।
2. **परिवहन :** सैनिकों और रसद के लिए C-17 ग्लोबमास्टर, C-130J और IL-76 जैसे भारी विमान।
3. **हेलीकॉप्टर :** हमले और बचाव के लिए Mi-17 V5, चेतक और स्वदेशी ध्रुव (ALH)।

Q5. IAF के इतिहास में 'रॉयल' उपसर्ग के महत्व की व्याख्या करें।

उत्तर - 1945 में, किंग जॉर्ज VI ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वायु सेना की विशिष्ट सेवाओं की मान्यता में 'रॉयल' उपसर्ग प्रदान किया था। यह 1950 तक 'रॉयल इंडियन एयर फोर्स' रहा, जब भारत एक गणतंत्र बना और यह शब्द हटा दिया गया।

